आत्मिक संसार मौजूद है और हमारे जीवन पर उसका प्रभाव है!

शालोम, आइए हम बाइबल से सीखें।

उत्पत्ति की पुस्तक में हम सृष्टि के बारे में पढ़ते हैं। वहाँ लिखा है कि परमेश्वर ने मनुष्य को मिट्टी की धूल से बनाया (उत्पत्ति 2:7)। साथ ही, परमेश्वर ने पेड़-पौधे, पशु-पक्षी, मछलियाँ आदि दृश्यमान वस्तुएँ भी रचीं।

लेकिन यदि आप ध्यान से पढ़ेंगे तो पाएँगे कि वहाँ केवल उन्हीं चीज़ों का उल्लेख है जिन्हें आँखों से देखा जा सकता है। जो चीज़ें अदृश्य हैं, उनका उल्लेख नहीं किया गया। उदाहरण के लिए—बैक्टीरिया और वायरस का नाम नहीं आता, जबकि वे असंख्य हैं और हर जगह मौजूद हैं। न ही आदम के शरीर के भीतर मौजूद रक्त की जीवित कोशिकाओं का जिक्र है, जो उसे बीमारियों से बचाती थीं। इसी प्रकार, परमेश्वर ने धूल का तो उल्लेख किया, पर उससे भी छोटे तत्व—प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन—का नहीं, जबकि वे हर चीज़ के भीतर मौजूद हैं।

इसका अर्थ यह है कि परमेश्वर की सृष्टि केवल वही नहीं है जो हम अपनी आँखों से देखते हैं, बल्कि उससे परे भी बहुत कुछ है—अदृश्य चीज़ें और प्राणी, जो हमारे बीच मौजूद हैं। जो हम देखते हैं वह तो केवल एक “सारांश” है।

सोचिए—आज हमारे जीवन की बहुत सी समस्याएँ और सफलताएँ इन्हीं

आत्मिक संसार मौजूद है और हमारे जीवन पर उसका प्रभाव है!

अदृश्य चीज़ों से जुड़ी हैं। बीमारियाँ वायरस और बैक्टीरिया के कारण होती हैं। वे दिखाई नहीं देते, परंतु मृत्यु तक का कारण बन सकते हैं। उदाहरण—कोरोना वायरस।

इसी प्रकार, अनेक आशीषें भी अदृश्य वस्तुओं से आती हैं। जैसे—विद्युत धारा। बारीक तार के भीतर बहने वाली अदृश्य इलेक्ट्रॉनों की शक्ति से बड़े-बड़े लोहे की मशीनें चलती हैं, पानी उबलता है, और अन्न पीसकर आटा बनता है।

यदि यह सब सत्य है, तो फिर यह कहना अनुचित होगा कि शैतान, दुष्टात्माएँ या स्वर्गदूत इसलिए नहीं हैं क्योंकि हम उन्हें देख नहीं पाते।

बाइबल कहती है:

“विश्वास ही से हम समझते हैं कि सारी सृष्टि परमेश्वर के
वचन से रची गई है; जिससे देखी जानेवाली वस्तुएँ उन वस्तुओं
से बनी हैं जो दिखाई नहीं देतीं।”
(इब्रानियों 11:3)

इसलिए, अदृश्य वस्तुओं का मूल्य उन दृश्यमान वस्तुओं से भी

आत्मिक संसार मौजूद है और हमारे जीवन पर उसका प्रभाव है!

अधिक है।

“क्योंकि हम देखी जानेवाली वस्तुओं पर नहीं, परन्तु अनदेखी वस्तुओं पर ध्यान लगाते हैं; क्योंकि देखी जानेवाली
वस्तुएँ थोड़े दिन की हैं, परन्तु अनदेखी वस्तुएँ सदा रहनेवाली हैं।”
(2 कुरिन्थियों 4:18)

कुछ शक्तियाँ तो इतनी अदृश्य हैं कि माइक्रोस्कोप से भी नहीं देखी जा सकतीं, जैसे—गुरुत्वाकर्षण।

इसी प्रकार, आत्मिक संसार वास्तविक है। आत्माएँ, स्वर्गदूत और दुष्टात्माएँ मौजूद हैं और हमारे जीवन पर गहरा प्रभाव डालती हैं।

यदि आप HIV वायरस से डरते हैं और व्यभिचार से दूर रहते हैं, तो यह जान लीजिए कि व्यभिचार के माध्यम से उससे भी खतरनाक आत्मिक शक्तियाँ (दुष्टात्माएँ) जीवन में प्रवेश कर सकती हैं और स्थायी विनाश ला सकती हैं।

यदि आप विद्युत के अदृश्य झटके से डरते हैं, तो पाप से और अधिक

आत्मिक संसार मौजूद है और हमारे जीवन पर उसका प्रभाव है!

डरें—क्योंकि आत्मिक संसार की अदृश्य शक्तियाँ उससे कहीं अधिक खतरनाक हैं।

हमारी “माइक्रोस्कोप” बाइबल है। वचन हमें आत्माओं को पहचानना और उनसे बचना सिखाता है।

“परन्तु जो कोई किसी स्त्री के साथ व्यभिचार करता है, वह बुद्धिहीन है; वह अपनी ही आत्मा का नाश करता है।”
(नीतिवचन 6:32)

इसलिए, जब कोई वचन के विपरीत चलता है, तो वह अपने जीवन का द्वार दुष्टात्माओं के लिए खोल देता है।

व्यभिचार के परिणाम केवल बीमारियाँ नहीं हैं—बल्कि अचानक मृत्यु, दुर्घटनाएँ, सम्मान और आशीष का खोना भी हो सकता है।

प्रिय भाइयो और बहनो, इन अंतिम दिनों में शैतानी आत्माएँ बहुत सक्रिय हो गई हैं, क्योंकि वे जानती हैं कि उनका समय थोड़े ही दिन का है। इसीलिए वे लोगों को नाश करने के लिए शिकार बनाती हैं।

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

आत्मिक संसार मौजूद है और हमारे जीवन पर उसका प्रभाव है!

सुरक्षा केवल मसीह में है। उसमें बने रहो और बचो।

मरानाथा!

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp